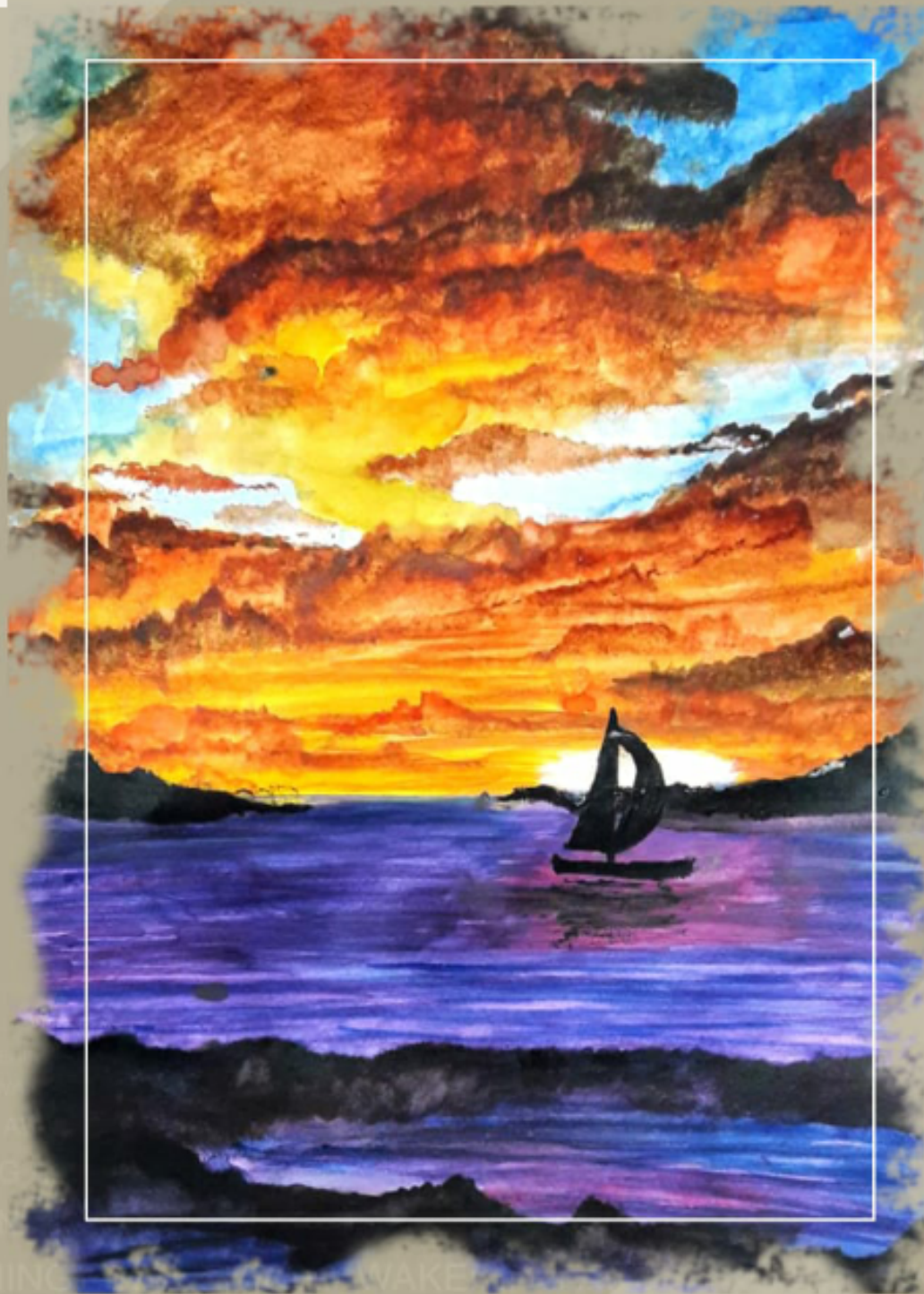
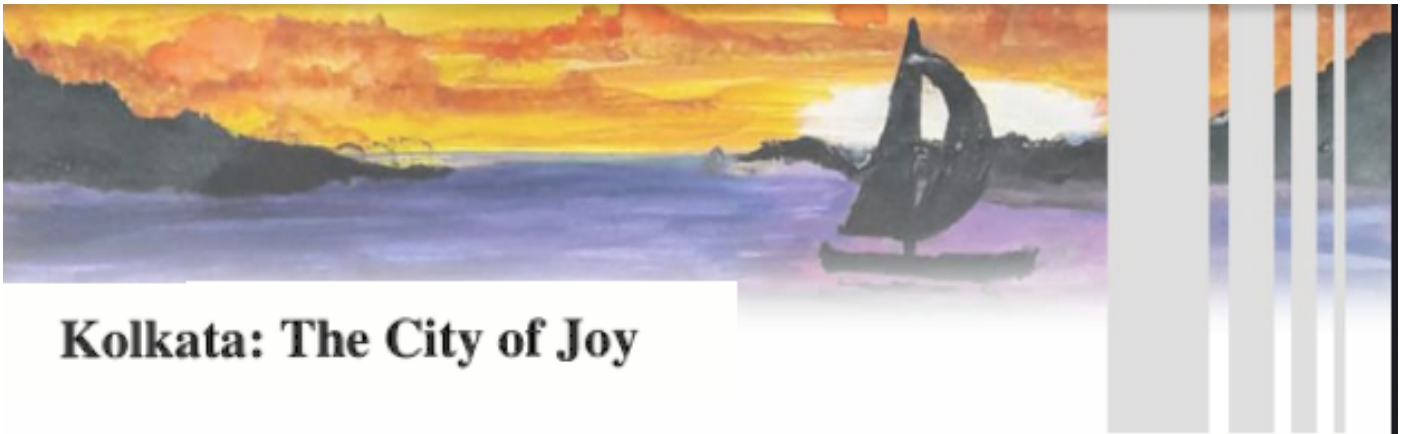




INDIRA GANDHI MEMORIAL HIGH SCHOOL



AWAKENING



Kolkata: The City of Joy

The city of Kolkata earned the nickname “The City of Joy” for its soulful embodiment of culture, love, mystery, respect, enthusiasm, and some amazing sweet delicacies. Kolkata, as it is now referred to as, is a city that upholds a perfect juxtaposition between the old world and the modern one.

The residents of Kolkata might have a lazy approach to live with a compulsory afternoon siesta; the people visiting the city are truly left mesmerizing by the old world charm.

With every street, every corner of the city is having a unique story to tell. The view of Howrah Bridge from Princep ghat with “*bharer chaa*” gets you to another world. One can spend the entire evening sitting on the stairs of the ghat.

If you are a shopping freak then, nothing can be better other than Esplanade. This area of Kolkata is famous for its “*adda*” and “*fun*” for every Kolkatans. The place is highly connected to every part of Kolkata. The center of attraction of the place is Hotel Taj Bengal, Esplanade Shopping Chains of footpath sellers.

Park Street has been crowd-pullers since British times The street draws locals during Diwali, Christmas, and New Year’s Eve

Pujor shopping is incomplete without if you didn’t buy a dress from “Hogg Market” the ancient name of New Market. Old Kolkatans believe that half of Kolkata’s culture would have been lost if New Market wasn’t there.

Victoria Memorial still becomes the most favorite hangout place for youngsters. It is one of the best examples of British architecture.

The street foods of Anglo Indian Bow Barracks are the most delicious food served in the whole of Kolkata. One can never miss “Rossogolla” and “Sondesh” of Nabin Chandra Das.



By – Sibasis Saha

जीवन और आप - एक अप्रतिम सोच



जिंदगी में कई चीजें होती हैं, जिनके कुछ ना कुछ कभी ना कभी अच्छे या बुरे नतीजे होते हैं। इनमें से मेरे अनुसार अपनी सोच, चयन शक्ति, अपनी मनोवृत्ति का अहम एवं सर्वश्रेष्ठ योगदान होता है।

अब लोग कहेंगे "क्या बेटा ज्यादा फिलॉसफी परली क्या?"

इस प्रश्न का उत्तर मत दो, अंदर ही अंदर मुस्कराओ और सोचो, "चलो अच्छा हुआ, कम से कम लोगों ने यह तो स्वीकार किया कि मैं कुछ करता हूँ, पढ़ता हूँ।"

चलिए, अब मूल विषय पर आते हैं, 99% बच्चे नौवीं कक्षा तक खेल कूद, हसी मजाक तथा टाइम पास करते हैं, परंतु जब वे दसवीं कक्षा में आते हैं, तब वे जीवन के पहले पड़ाव पर पहुँचते हैं तथा उनका इम्तहान लिया जाता है। उनमें से एक में खुद हूँ - दसवीं कक्षा में आने के पश्चात भी दिन के 6-7 घंटे PUBG खेलता था, पूरी तरह बिगड़ गया था, घरवाले - पापा, मम्मी, नाना - नानी सभी कहते थे "बेटा ये सब खेलना अच्छा नहीं होता है तथा इससे समय बर्बाद होता है" और बोलते, "जाओ जाकर पढ़ाई करो!!", कभी प्यार से बोलते, कभी डांट कर, धमकाते। पर मेरे को कुछ भी फरक नहीं पड़ता था, मैं अपने मजे में था, वे लोग यह सब देखकर काफी मायूस और दुखी हो जाते थे। मेरे लिए यह एक आम बात थी इसीलिए हर दफा हाँ - हाँ कहकर नज़र अंदाज़ कर देता था और सोचता था कि सब चलेगा।



परंतु जिंदगी ने एक ऐसा ज़ोर का जटका दिया कि अन्तर मन में (जुलाई 2020), पता नहीं कहीं से एक ऊर्जा एवं एक अनोखी शक्ति का अहसास हुआ, मन काफी व्याकुल था, सोचा PUBG खेलूँगा सब ठीक लगेगा, परंतु नहीं बात कुछ और ही थी, कुछ तो थी, अलग, विचित्र पर मिल नहीं रही थी तथा आंतरिक शक्ति भंग हो गई थी।

कुछ समय बीता एवं ईश्वर की कृपा से, धीरे - धीरे समझ आने लगा कि मैं अपने करिअर, जीवन के प्रथम पड़ाव पर स्थित हूँ। सामने एक लंबी मंजिल है, इसका



अनुभव हो रहा था। मुझे चयन करना था - सामने दो रास्ते थे, एक साफ़, सुंदर और सीधा दूसरा जंगल से होते हुए, पत्तों, पत्तियों से भरी, मानो ऐसा लाग रहा हो कि काफी कम लोग इससे मार्ग तय करते हो।

मैंने बिना सोचे अपने अंतरात्मा की आवाज़ सुनी और दूसरे रास्ते को चुन लिया।

अब सत्य पे आता है, इस ख्वाब के पांच महीने हो गए लगभग ये सुअच्छा, अप्रतिम जीवन दाय मेरे लिए टार्गेट 11A है और था। पथ बड़ा कठिन था लेकिन सही मनोबल, सटीक सोच, और चयन शक्ति से पार किया जा सकता है। इन पांचों महीने मैंने अपने जीवन को अनेक शारीरिक असुविधाओं के उपरांत ज्ञान प्राप्त करने में समर्पित कर दिया। सोने के लिए समय कम मिलता था परंतु संतुष्ट होकर सोता था और कभी भी ऐसा नहीं लगा कि दिन बर्बाद हो गया। मन, आत्मा इस कर्म में लीन हो गए हैं। सबसे अच्छी बात यह थी कि मेरे पूरे जीवन के 15 वर्षों में कभी भी इससे पहले एक दिन भी ना गुज़रा हो कि मुझे डांट नहीं पड़ी हो परंतु इन पांच महीने पापा, मम्मी और बाकी सब काफी खुश थे और हर चीज़ में मेरी सहायता की।

अंततः मैं यह कहना चाहता हूँ, जीवन में सभी को पड़ाव एक ही समय पर आता है लेकिन उसका अहसास कुछ को जल्दी एवं कुछ को देर से होता है।

मेरी राय माने, अपनी अंतरात्मा की आवाज़ सुने और सटीक चयन शक्ति, सही सोच से इस जीवन की पहली परिक्षा को पास करे।

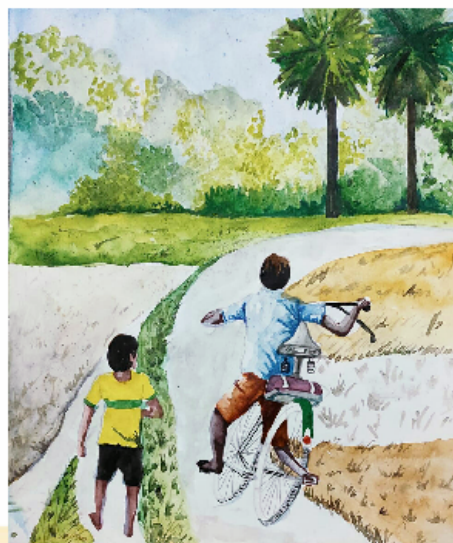
सदा याद रखे,

"जीवन आपका है तो सोच भी आपकी ही होनी चाहिए।"

--- नितिन पात्र



Soumili Mitra
Class- IX



Sagar Deep Jana
Class- VIII



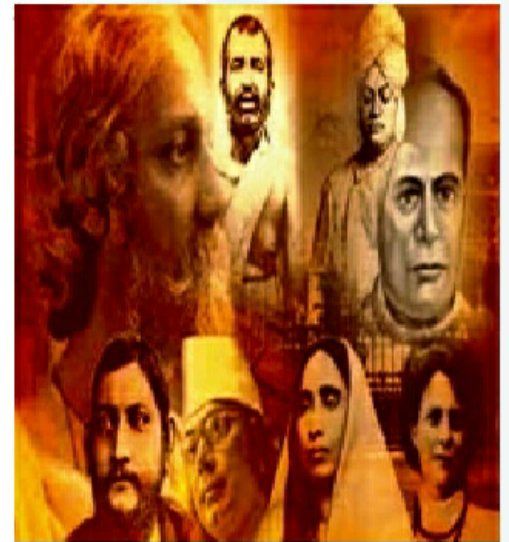
QUIZ MANIA :

1. *The International Literacy Day is observed on?*
2. *September 27 is celebrated every year as*
3. *The death anniversary of which leader is observed as Martyrs' Day?*
4. *'Good Friday' is observed to commemorate the event of?*
5. *Which day is observed as Sports Day every year?*
6. *Which branch of mathematics is also called 'Rekha Ganit'?*
7. *Which of these gods is also referred to as Kamalapati and Kamalakant?*
8. *Which organization has won the Nobel Peace Prize for 2020?*
9. *Which city is the final destination of Black Diamond Express that runs from Howrah Junction in West Bengal?*
10. *Which state announced five per cent reservation for Gujjars in February 2019?*



সাবেকি সংস্কৃতিতে অনীহা

ভারত প্রাচীনতম ভূখন্ডগুলোর মধ্যে একটা। তাই ভারতীয় সভ্যতাও বেশ পুরোনোই বলা চলে। এই সভ্যতাই হল সংস্কৃতির উৎস স্তল। স্বাভাবিকভাবেই এখানে কাব্য, উপন্যাসে, কলায়, বা পরম্পরা চিহ্ন পাওয়া যায়। এমনকি আমাদের বর্তমানও তার দাঁড়িয়ে আছে। সময়ের সঙ্গে তাল মিলিয়ে মানুষ এসে পৌঁছেছে এক নতুন যুগে। বৈজ্ঞানিক উপকরণে ভরা এক যুগ। এখন উন্নতির জন্য বিজ্ঞান ও প্রযুক্তি, দুই অতি প্রয়োজনীয় উপকরণ এখানেই নতুন ও পুরাতনের সংঘাত। বিশ্ব বাজার অর্থনীতির প্রাচুর্য মূল্যবোধের থেকে বেশি খোলামেলা। "সাবেক বা পুরোনো যা কিছু তাই শুধু ভালো", প্রাচীন পন্থীদের এইরকম মনোভাবও খানিক দায়ী নব প্রজন্মের এই অনীহার জন্য। নতুনকে গ্রহণ করতে তারা অনেক ক্ষেত্রেই নারাজ হয়ে থাকেন কিন্তু নতুনকর স্বাগত যদি আমরা না জানাতে পারি তবে এগোনোর পথ বন্ধ হয়ে যায়। যে কোন সমাজ বা সংস্কৃতির পক্ষে যা খুবই ভয়ানক। অর্থাৎ নতুন ও পুরাতন এর মধ্যে যেকোনো একটা বেছে নেওয়া যাবে না। বরং তাদের একটা ভারসাম্য ধরে রাখাই শ্রেষ্ঠ হবে। আকর্ষণ হারানোর মূল কারনগুলো



খুঁজে বার করে তাকে নিজেদের মধ্যে নিজেদের মত করে নিয়ে এগিয়ে যাওয়াই আধুনিকতার লক্ষণ। তাই পুরোনো বলেই ফেলনা নয়। সেই ভিতরে ওপরেই তৈরি হতে পারে নতুন ইমারত।

By – SHREYAN PODDER



Reinventing the historic science and maths

Ancient texts of India, originally composed in Sanskrit, have a rich heritage of mathematical and scientific knowledge and the present generation is unaware of this. So the Indian institute of technology, Indore has taken the initiative to re-impart this once forgotten knowledge

Titled “Understanding Classical Scientific Texts of India in an Immersive Sanskrit Environment”, The All India Council for Technical Education (AICTE)-sponsored quality improvement programme began on August 22 and will continue till October 2 with a total of 62 hours of online classes. According to an IIT official, the course has been divided



into two parts, under which participants will first be taught the nuances of Sanskrit to build their understanding of the language and in the next part, they will be taught classical mathematics in Sanskrit. The present covid situation has provided this fantastic opportunity to embrace our forgotten glory. A qualifying examination will also be conducted to evaluate the participants involved in the second part of the course and successful candidates will be awarded a certificate, he added.

This applaudable initiative taken by IIT Indore will facilitate in gaining the knowledge of the Scientific classics through our authentic, glorious and cherished Indian culture, which the modern generation had forgotten. As the Indian mathematicians used sanskrit to discover the maths and science, so it's better to study it in its native language, rather than English.

-- Subhamay Paul
-- Anwayee Mallick
-- Soumyadwip Samnath

"एक दिन "

एक दिन आसमान से काले बादल छट जाएंगे,
एक दिन फिर से सारे तारे टिमटिमाएंगे,
एक दिन फिर से हवाएं संसंआएंगी,
एक दिन फिर से नदिया बहती हुई मुस्कुराएंगी,
एक दिन फिर से बच्चे पार्क में जाकर खेलेंगे,
एक दिन फिर से हम दोस्तों के साथ मुस्कुराएंगे,
एक दिन फिर से बेखौफ हो जाएंगी जिंदगी,
एक दिन फिर से हम खुले आम बाज़ार जाएंगे,
एक दिन फिर से स्कूल के डेस्क अपने बच्चों को साथ पायेंगे,
एक दिन फिर से हम घूमने जायेंगे,
एक दिन ये विश्व फिर से स्वस्थ हो जाएगा,
एक दिन फिर से इन्सान बे नकाब होकर मुस्कुराते चेहरे दिखायेंगे,
बहुत जल्द ही ये कोरोना खत्म हो जाएगा ।।



Parijat Chandra
Class- XI Arts

--आरात्रिका धर



Aranya Dutta Bainik
Class- XI Sc



SPECIALIZED RIDDLES FOR YOU :

1. The more you take, the more you leave behind. What am I?
2. What comes once in a minute, twice in a moment, but never in a thousand years?
3. What has a head, a tail, is brown, and has no legs?
4. A man who was outside in the rain without an umbrella or hat didn't get a single hair on his head wet. Why?
5. David's father has three sons: Snap, Crackle, and _____
6. What 8 letter word can have a letter taken away and it still makes a word. Take another letter away and it still makes a word. Keep on doing that until you have one letter left. What is the word?
7. Two fathers and two sons went fishing one day. They were there the whole day and only caught 3 fish. One father said, that is enough for all of us, we will have one each. How can this be possible?
8. A doctor and a bus driver are both in love with the same woman, an attractive girl named Sarah. The bus driver had to go on a long bus trip that would last a week. Before he left, he gave Sarah seven apples. Why?
9. What has many keys, but can't even open a single door?
10. What has six faces, but does not wear makeup, has twenty-one eyes, but cannot see? What is it?



Mahendra Singh Dhoni Legend for a true reason

MS Dhoni, a name that is very common in every street of the subcontinent country India. A country of 1.2 billion+ population, MS Dhoni is one of the most loved personalities in the country.

Mahendra Singh Dhoni nicknamed as 'Mahi', was attached to sports right from his childhood. He played as a goalkeeper in his school football team. His sports teacher spotted a spark in him and wanted to give him a try in the school cricket team as a wicketkeeper. Consistent performances in school cricket and domestic cricket for Jharkhand (then Bihar) got him close to a chance to play for India in the Under 19 cricket world cup 1999. But he failed to make a spot in the team

.His talent and hardwork was so strong that even the strongest of barriers couldn't stop him to get a place in the Indian team. The youngster Dhoni became a youth icon in India and slowly became a mainstay in the Indian cricket team. He was appointed as the captain in 2007 and from then he got immense success as a leader. His famous hard hitting ability was a delight to watch. 2007 T20 World cup, 2011 CWC, 2013 Champions Trophy are some remarkable achievement in his mesmerizing career.

.He announced his retirement in 15th August 2020, and left a message, "Main pal do pal ka shayar hu, pal do pal meri kahani hai".



By – Antariksh Deb

A CENTURY AGO

Formation of League of Nations

- The first meeting of the council of the league of nations took place on 16 January 1920, and the first meeting of assembly of the league took place on 15 November 1920.



- IN 1919 US president Woodrow Wilson won the Nobel peace prize for his role as the leading architect of the league.

Belgium – Summer Olympics

- Belgium – Summer olympics were the first games

in which doves were released in the opening ceremony to symbolize world peace.

- The United states, Sweden, and Great Britain came away from these games with the highest total medal counts overall, with 95,64, and 43 respectively.



US Women get voting rights

- The Nineteenth Amendment's text was drafted by Susan B. Anthony with the assistance of Elizabeth Cady Stanton and was first introduced in 1878.
- Following President Woodrow Wilson making a strong and widely published appeal to congress to pass the amendment it passed on May 21, 1919.





Non-Cooperation Movement In India

Non-cooperation movement



- Non – Cooperation Movement was one of the movements for Indian Independence from British rule and ended as Nehru described in his autobiography, “suddenly” in February 1922 after the Chauri Chaura incident.

Walt Disney Starts his career

- Walt Disney, the creator of Mickey Mouse, Donald Duck and numerous other favourite cartoon shows of children, moved to California in the early 1920s and set up the Disney Brothers Studio with his Brother Roy.
- With Ub Iwerks, Walt developed the character Mickey Mouse in 1928, his first highly popular success in the entertainment domain for kids.



Born This Year

Arthur Hailey – April 5th

Pt. Ravi Shankar – April 7th

Isaac Asimov - January 2nd

Walter Matthau – January 2nd

P D James – August 3rd

Inventions, Inventors and country (or attributed to First Use)

Sticky Plasters USA by Earle Dickson

Hair Dryer Germany

The Tea Bag by Joseph Krieger

Parachute USA by Karl O.K Osterday



By – Nivedita Mandal
Aritrika Mitra

অজানা উপহার

একদিন শীতকালে বাবা ডাকছে "রাজা, রাজা! বেলা ৮ টা বাজে!" আমি ঘুমের দুনিয়ায় ব্যস্ত তাই এই নিয়ে দশবার বাবার ডাক কানে পৌঁছেয়নি। তবে এবার কানে শব্দ পৌঁছেছে। আমি চমকে উঠে ব্যক্ত করলাম, "একই বাবা তুমি আজ অফিস যাওনি?" বাবা বিরক্ত হয়ে উত্তর দিল, "আমার বড়দিনের ছুটি চলমান!" সেই মুহূর্ত দরজা বেল দিল মা। বাবা বলল, "এ কি তুমি? তুমি যে কাল আসবে বলেছিলে?" মা হেসে বলল, "সবাই কে চমকে দেব বলে তো জানইনি।" আমি এতদিন মাকে ছাড়া যেন আকুল পাথারে পরেছিলাম। মাকে ছাড়া আমি একেবারে অন্ধ! মা-ই আমার জীবন যে!

দেখতে দেখতে বেলা হয়ে গেল। দুপুরে খাওয়া হয়ে গেল। উত্তেজনার কারন এই যে মার থেকে দিদার বাড়ির গল্প শোনার সময় হয়েছে। মা এসে আমার পাশে বসল; আমি মায়ের কোলে মাথা রেখে শুয়ে পড়লাম, মা মাথায় হাত বুলিয়ে দিয়ে বলল, "শোন তাহলে; আমি যেই বাড়ি গেলাম, আমি মাকে প্রণাম করতে গেলাম; মা চেঁচিয়ে উঠল আগে কাপড় - জামা ছেঁরে, চান কর আগে!"


"আমার উৎসাহে যেন জল ঢেলে দিল মা, আমি বিরক্ত হয়ে বললাম, "মা! দিদার এইসব আমাকে বলো না তো! খালি এই ভুল-ভাল পুরানো দিনের ভাবনা চিন্তা!" মা হাসে আর বলে, "বোকা! তুই জানিস দিদা যা বলে তা সবার কারন আছে। এইরকম বলতে নেই!" আমি বললাম "কখনো নয়! এই করিস না আর ওই করিস না; সারা জীবন এই নিয়েই ব্যয় করে দিল!" - আমার রাগ দেখে মা আমাকে কাছে টেনে নিয়ে বলল, "ওরে বাবা! এত রাগ করে না! নাতি-নাতনি দার এত রাগ করতে নেই!" আমি বললাম, "কি করে? আমি কেনো বুঝতে পারি না, মা?"

মা বলল, "তুই মাথায় বসিয়ে ফেলিছিস যে এ সব ভুল কথা, আর মা; মা চোখ বন্ধ করে যা শুনেছে, তা মেনেছে, ভাবেইনি কখনো! আর তুই শুধু দূরছাই করেছিস। দুটোই ভুল। কোনো কথা চোখ বন্ধ করে অবিশ্বাস ও করা উচিত না আবার বিশ্বাস ও করা উচিত না! দুটোর ভারসাম্য রেখে চলা উচিত।" আমি নিজের ভুলটি জেনে নিলাম। মাকে জিজ্ঞাসা করলাম, "তবে মা; দিদা যে আগে হাত ধুয়ে নিতে বলে, রাতে নখ কাটতে বারন করে, তার কি কারন?" মা বলল, "আমরা রাস্তার ধুলো-ময়লা নিয়ে বাড়ি যাই, চান করে নিলে ধোয়া হয়ে গেলো!" আগের মানুষ; যা কিছু বলত, তার বেশীরভাগ জিনিসের কারন জানেও না, চিন্তাও করে না!"

সেদিন মায়ের কাছে যা জেনেছিলাম সেটা আমার জীবনের ধারা পরিবর্তন করে দিয়েছে। জীবনে খোলা মানাসিকটার অর্থটা ঠিক কি; তা আমি সিদিন জেনেছিলাম। এই আমার জীবনের সবচেয়ে বড় উপহার।



By – DEYASINI SINHA



सूर्य का उदय

इस कहानी कि शुरुआत होती है गुजरात के एक छोटे से गाँव से, जहाँ सूर्य कुमार नाम का लड़का रहता था जो मात्र 10 साल का था। वो हमेशा से लोगों को देखता था क्रिकेट खेलते हुए, लेकिन उसे कभी खेलने नहीं दिया जाता था क्योंकि वह एक गरीब घर से था। उसकी हमेशा से इच्छा होती थी खेलने की, फिर उसे एक दिन मौका मिला जब एक मैच के दौरान गेंदबाज को गेंदबाजी करते समय चोट लग गई, तब सूर्य को खेलने दिया गया और उसने वो मैच अपना बना लिया अपनी पहली 3 गेंदों में 3 बार बल्लेबाज़ की खिलियाँ उखाड़ के। उस दिन उसे एक क्रिकेट कोचिंग के कोच ने देखा और दंग रह गए और बिना पैसे के अपने कोचिंग में प्रवेश करवाया। ऐसे ही सूर्य को खेलते हुए कुछ साल बीत गए थे। क्रिकेट अब उसकी एक इच्छा नहीं उसका जुनून बन चुका था। वे 18 साल का हो गया था और 145-150 कि.मी के तेजी से गेंदबाजी कर्ता था। उसके काफी अच्छे प्रदर्शन होने के बावजूद उसका चयन अंडर 19 भारतीय टीम में नहीं हुआ। इसके बाद सूर्य का दिल टूट चुका था लेकिन उसने फिर भी हार नहीं मानी और अपना प्रदर्शन चालू रखा, गुजरात के लिए खेलते हुए। अब बारी आयी दिलीप ट्रॉफी की, इस प्रतियोगिता में उसने सबसे ज़्यादा विकेट लिए लेकिन फिर भी उसका नाम नहीं आया भारतीय टीम में। पर अभी भी सूर्य ने हार नहीं माना और अगली प्रतियोगिता जो कि थी विजय हजारे ट्रॉफी उसने फिर से सबसे ज़्यादा विकेट चटकाए। अब उसको कितनी देर बाहर रख पाते भारतीय टीम से, इस बार उसका चयन हो गया भारतीय टीम में, और कुछ इस तरह से सूर्य का उदय हुआ।



-- ध्रुव सिंह



Sparsh – A Healing Touch

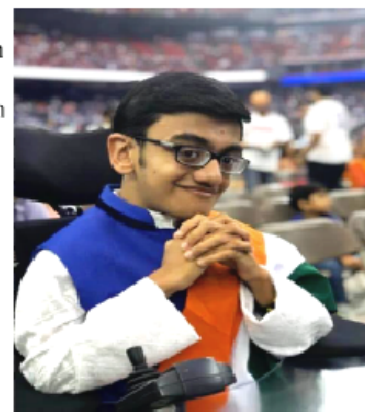
The boy with the slim chances of living who transcended his life into becoming one of the most inspiring, motivating and talented artist of all time. In spite of being born with one of the most rare, incurable genetic disease known as osteogenesis imperfecta it wasn't enough to bring his high spirits down. With over 130 fractures in his body & bones more fragile than ice he is unstoppable with his talent & energy.



At the tender age of six he was sent to receive Indian classical vocal singing training and after that he had American vocal lessons but it did not stop there. At the age of 10 he started writing songs himself with the first song being "This love with never fade" & that kickstarted him to writing 10 more songs.

Later on he found a rap song called "Not Afraid" by none other than Eminem and he was awestruck. He immediately had the urge to do a cover of this song, but with no curse words. Which meant that the song will be the same but it will be clean and pure. He gave himself a rap name "Purhythm". Since it was pure and rhythm was involved. He did a lot of covers after this.

His covers went on to receive millions of hits throughout the world. He became a known music artist and a very influential personality around the globe. He has shared stage with many celebrities that we know of.



Sparsh is multitalented, he performs at events, appears on local radio stations and television shows as well. He also hosts shows as an MC. This only goes on to prove no matter what you are suffering through if your ambition is stronger than your adversity, nothing in the world is strong enough to stop you from achieving your goals.

--- Mehul Maitra

ANSWERS OF QUIZ MANIA

1. September, 8.
2. World Tourism Day.
3. Mahatma Gandhi.
4. Crucifixion of Jesus Christ.
5. August, 29.
6. Geometry.
7. Lord Vishnu.
8. World Food Programme.
9. Dhanbad.
10. Rajasthan.



Mondira Biswas
Class- VIII

নতুন শহর



Debangee Roy
Class- VIII

Riddle Answers

1. Footsteps
2. The Letter 'm'
3. A Penny
4. He was bald
5. David
6. The word is starting!, starting, string, sting, sing, sin, in, I.
7. There was the father, his son and his son's son..... This equals 2 fathers, 2 sons and total 3!
8. An apple a day keeps the doctor away!
9. A piano
10. A dice

কেন মিথ্যে অন্ধকারে
আমরা বেঁচে থাকি?
কেন সাদা জীবনটায়
আঁকিবুকি আমরা আঁকি?
কেন খেলছি কাটাকুটি
এই জীবন নিয়ে?
বাঁচতে পারবে না তুমি
চেয়ে সুখ আর হাসি।
জীবনে এগিয়ে চলছে সোজা
আমি ঐকে-বুঁকে।
চলো, একবার হেঁটে দেখি
ওই সোজা পথের দিকে।
সময় যদিও বেরিয়ে যাচ্ছে,
পেরিয়ে যাক না তবে।
চলো আমরা নতুন করে বাঁচি,
মিলে এক হয়ে সবে।

আর থাকব না ওই অন্ধকার কারাগারে
বাঁচবো আবার আমরা সবাই
এক নতুন শহরে।

our attitude is your window

It was just after 1:00 pm and Sara was getting hungry . She had put in a few productive hours of work at her desk and decided to get a bite to eat at a nearby coffee shop .



A few minutes later , Sam walked into the coffee shop . He , too , was on his lunch break . Sam sat down at a table a few feet away from Sara .

The same waitress served Sara and Sam that afternoon .Each customer waited about the same amount of time before the waitress took the order .Each of them received their meal around the same time . Each of them served well - prepared, wholesome food . And each waited the same amount of time for the waitress to deliver the check .

But that's where the similarities ended.

Sara had walked into the coffee shop with a smile , a spring in her step and a very positive outlook on the world . It was plain for everyone to see . Her body language and her posture reflected her optimism . Sara had a delightful lunch , exchanged some pleasant conversation with the waitress , and went back to work with a re-charged battery. Sam, on the other hand , had entered the coffee shop with a scowl on his face . He looked like he'd been sucking on sour pickles all morning . He was hunched over and tense . His body language cried out " Stay away from me ! " Hew was annoyed when the waitress didn't take his order immediately . He was annoyed at how long it took for his meal to arrive .He complained about the food, and was furious when he didn't get his check right away .

It comes down to this-Sara sees the world with a positive attitude and Sam sees the world with a negative attitude.

ROHIT DUBEY

JOKES

LAUGHTER IS THE BEST MEDICINE

- My brain 🧠 is like the Bermuda Triangle ⚠️.
-Information goes in and then it's never found again. 🤔
- Why do gorillas have big nostrils? 🦍
-Because they have big fingers. 🖐️
- Why are cricket stadium so cool? 🏟️
-Because every seat 🪑 has a fan in it.
- What did the teacher do with her student's report on the history of cheese 🧀???
- One rule of childhood cricket 🏏 is
-The owner of the bat will always be opening batsman. 🏏
- Do you know that bats are not actually blind 🦇???
- What a rose 🌹 wants to the moon 🌙??
-Gulaab Ja Moon (Gulaab La Moon).
- Teacher says to the class to write 📝 an essay on cricket. Aditya finishes his work in just one-minute ⏱️ and submitted to the teacher 🧑🏫. Teacher asked Aditya to read. He spoke up with the words.
-The cricket match is cancelled 🚫 because of rain. ☁️
- Who said that English is easy?
Fill in the blanks with 'YES' or 'NO'.
 1. _____ I don't have a brain. 🧠
 2. _____ I don't have sense. 🤔
 3. _____ I am stupid. 🤡





The Pulwama Attack

Nabajukta Das

At pulwama when 40 soldiers died,
The entire nation cried.
The clouds roared and began to shower,
There wasn't a single blossomed flower.

The nation was celebrating the day of
Valentine,
with love, happiness and gay.
But astonishingly the blasted news came
along the way.

The infinite broken hearts of the
Indians,
and families' sorrow,
were so deep and dark,
that nobody could borrow.

Beside the sorrow,
The fury that gained.
The Indians challenged the whole world,
that they will come back again.



LOOKING BACK

Events held in school



Rangoli Making competition

2018/10/22 12:58



Pulwama Martyr Tribute

REDMI 7 PRO 5.940 MI DUAL CAMERA



Republic day celebration

2020/1/26 CB:47



Visit to old age home- 7 Aug



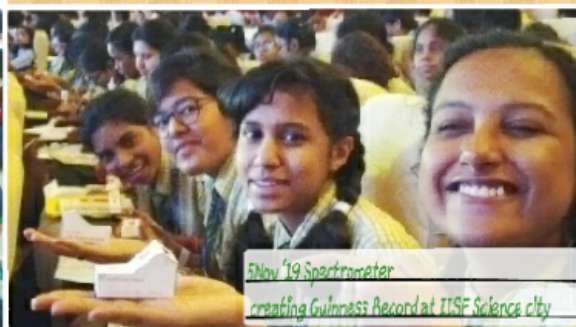
Diya Designing Competition

2019/10/22



Yoga Day Celebrated

2019-4-24 09:25



5 Nov '19 Spectrometer
creating Guinness Record at IISF Science city

🍁 *Few words before we end* 🍁..

This edition of 'Awakening' is editor's edition. We have endeavoured to present something new for you all. Drawings and paintings have been used from the archive. We hope next edition onwards we can showcase your creativity.

Write to us at editors3625@gmail.com

The Editorial team

Asmita Roy
Antariksh Deb
Dhruv Singh
Hemani Mehendi
Aryamaan Murari
Deep Kandoi
Deyasini Sinha
Nabajukta Das
Shreyan Podder
Aniket Chowdhury

Art team

Sneha Sinha
Shreya Dutta